ई–संस्करण, अंक 13

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children.®

गपशप

नमस्कार,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। जैसा कि आप जानते हैं हम सभी लॉकडाउन में हैं और अपने–अपने घर पर हैं, हमने सोचा कि अपने नियमित समाचार पत्र गपशप का ई–संस्करण लाया जाए। हम आपको लॉकडाउन की इस अवधि के दौरान समय–समय पर इस तरह के ई–गपशप भेजते रहेंगे। आशा है कि आपको इसे पढ़कर अच्छा लगेगा। आप इसे अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों और आपके अनुसार जिन्हें भी इन लेखों को पढ़ने में मज़ा आए उनके साथ साझा कर सकते हैं।
घर पर रहें। सुरक्षित रहें।

आपकी चुलबुली और बुलबुली

शराब बंदी की रैली

सहेलियों यह कहानी राजकीय उच्च विद्यालय खोना, छत्तीसगढ़ के बहादुर बच्चों की है।
उनके विद्यालय के पास में ही एक शराब की दूकान थी। दूकान क्या थी बच्चों के लिए मुसीबत थी। अक्सर वहाँ शराबियों के झुंड बैठे रहते थे और स्कूल आने जाने वाले बच्चों को परेशान करते थे। खास तौर पर लड़कियों के लिए तो यह एक बहुत बड़ी समस्या थी। हर दिन किसी न किसी लड़की को छेड–छाड़ का सामना करना पड़ता था।
खोना के लाइफ स्किल क्लब ने यह मुद्दा अपने ग्रुप की मीटिंग में उठाया। सभी ने तय किया की इस बारे में कुछ न कुछ तो करना पड़ेगा। यह फैसला लिया गया की यह मुद्दा स्कूल मैनेजमेंट कमेटी और अध्यापकों की होने वाली अगली मीटिंग में उनके रखा जाए और उनसे मदद ली जाए। स्कूल मैनेजमेंट कमेटी ने माना की यह बहुत गंभीर मसला है और इसका निवारण होना आवश्यक है। उन्होंने पहले भी शराब की दूकान बंद करवाने का प्रयास किया पर विफल रहे हैं। लड़कियों ने हार नहीं मानी और अपनी जिद्द पर अड़ी रहीं। अंततः स्कूल मैनेजमेंट कमेटी ने शराब की दूकान हटवाने का, क और प्रयास करने का आश्वासन दिया।
कुछ दिनों बाद उनके क्षेत्र में एक जन–सुनवाई का आयोजन किया गया। स्कूल की लड़कियों ने अपने शिक्षकों, स्कूल मैनेजमेंट कमेटी एवं एस एम दीदी के साथ वहाँ जा कर अपनी समस्या के बारे में सभी को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने एक आवेदन पत्र भी विधायक महोदय को सौंपा जिस पर स्कूल के सारे बच्चों ने हस्ताक्षर किये थे। हर जगह उसकी हिम्मत के चर्चे होने लगे।
विधायक महोदय ने तुरंत ही गांव के सरपंच को यह आदेश दिया की शराब की दूकान को स्कूल के पास से हटाया जाए। सरपंच ने आदेश का पालन करते हुए एक रैली का आयोजन किया। शराब की दूकान बन्द करने की इस रैली में विद्यार्थी, अध्यापक, सरपंच व उप–सरपंच महोदय ने भी भाग लिया।
थाने के इंस्पेक्टर आये और उन्होंने मालिक को दुकान वहाँ से हटाने को कहा। अब पुलिस भी स्कूल के आसपास निगरानी रखने लगी। पुलिस के कहने के बावजूद जब दुकान मालिक ने शराब की दुकान बंद नहीं की तो पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और दूकान पर ताला लगा दिया। इस तरह बच्चों का दृढ संकल्प और मेहनत सफल हुई। अब सब अपनी पढ़ाई की तरफ पूरा ध्यान देने लगे।

कौन है सुपर गर्ल?

तुम हो सुपर गर्ल! अब तुम सोच रही होगी की तुम तो एक स्कूल जाने वाली, अपनी सहेलियों के साथ खेलने वाली और अपनी पढाई में व्यस्त रहने वाली लड़की हो। तुम भला सुपर गर्ल कैसे हो सकती हो! सच तो ये है की हम सभी के अंदर सुपर गर्ल बनने के सारे गुण होते हैं। ज़रुरत है तो सिर्फ उन्हें पहचानने और जीवन में अपनाने की।

हम जब अपने जीवन में बहादुरी दिखाते हैं तो एक सुपर गर्ल ही होते हैं। सुपर गर्ल सिर्फ वही नहीं होती जो बड़े कारनामें करती हैं। वह भी सुपर गर्ल हैं जो अपने जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान बहादुरी, समझदारी और साहस के साथ करते हैं। जब हम अपने किसी साथी की मदद करती हैं, अपने आस पास हो रहे किसी अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठते हैं या अपनी किसी गलती को बहादुरी के साथ स्वीकार करके उसे ठीक करती हैं। तब हम ही होते हैं– वो सुपर गर्ल। सुपर गर्ल होती है साहसी, मेहनती, विनम्र और दयालु।

अपने अंदर की सुपर गर्ल को पहचानो और उससे गर्व से दुनिया के सामने लाओ।
तुम्हारे जीवन में भी कोई न कोई सुपरगर्ल पल आया होगा। तुम्हारी बहादुरी की घटना जिसे तुम अपने समूह में साझा करना चाहती होगी तो एस एम दीदी को बताओ।

अपने परिवार के साथ करें

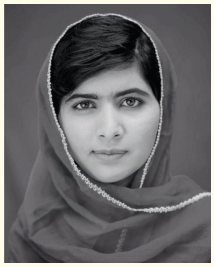

यहाँ दी गई तस्वीरों को पहचानो।
यह सब सुपर गर्ल हैं।
अब यह पता लगाओ की इनके नाम क्या हैं?
किस क्षेत्र में इन्होंने गौरव कमाया है?

तुम चाहो तो एस एम दीदी की मदद ले सकती हो।